सांध्य दैनिक
4PM

यदि बोलने की स्वतंत्रता छीन ली जाये तो शायद गूंगे और मौन हम उसी तरह संचालित होंगे जैसे भेड़ को बलि के लिए ले जाया जा रहा हो।
-जार्ज वाशिंगटन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 215 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 14 सितम्बर, 2022

लोक सभा चुनाव में सांप्रदायिक शक्ति को... 7 | भारत जोड़ो यात्रा: यूपी में हाशिए... 3 | अखिलेश शिवपाल में कहीं और दूरी... 2

विधान भवन में धरना देने से पहले सपा विधायक नजरबंद पुलिस ने घेरा अखिलेश का घर

सड़क पर उतरे कार्यकर्ता, सरकार के खिलाफ नारेबाजी

फोटोः सुमित कुमार

- » जनेश्वर मिश्र पार्क और पार्टी कार्यालय पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात
- » महंगाई, बेरोजगारी समेत कई मुद्दों को लेकर प्रदेश सरकार को घेरा, लिए गए हिरासत में
- » 18 सितंबर तक सपा ने लगातार धरना देने का किया है ऐलान, 19 से शुरू होगा सत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान भवन में सरकार के खिलाफ धरना देने के पहले आज पुलिस ने सपा विधायकों व पदाधिकारियों को नजरबंद कर दिया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के घर पर भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस फोर्स ने सपा प्रमुख के घर को घेर लिया है। वहीं जनेश्वर मिश्र पार्क और पार्टी कार्यालय में भी पुलिस का पहरा लगाया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने कई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है।

सपा ने योगी सरकार को सदन से सड़क तक घेरने की रणनीति के तहत आज से 18 सितंबर तक लगातार विधान भवन में धरना देने का ऐलान किया था। इसी कड़ी में आज महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, किसानों आदि की समस्याओं को लेकर सपा विधायकों को चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष धरना देना था। धरने से पहले ही सपा विधायकों के घर के बाहर पुलिस का पहरा लगा दिया गया। विधायक रविदास मल्होत्रा ने बताया कि सुबह पांच बजे ही उनके आवास पर पुलिस आ गई। उन्हें मॉर्निंग वॉक पर भी नहीं जाने दिया। नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि हम शांति पूर्वक विधान भवन में जाकर धरना करना चाह रहे हैं लेकिन पुलिस ने बताया कि मुझे हाउस अरेस्ट किया गया है। सपा ने इसकी घोर निंदा की है। सपा ने ट्वीट कर योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। इसमें कहा गया है कि योगी जी आप पुलिस और सत्ता के बल पर तानाशाही करके जनहित के मुद्दे पर धरना-प्रदर्शन करने वाले विपक्षी विधायकों को तो रोक सकते हैं लेकिन कल को जब जनता का हुजूम सड़कों पर उतरेगा तो आप क्या करेंगे। विपक्ष जनता की आवाज है ,जनता की आवाज मत दबाइए। विधायकों के नजरबंद होने की सूचना पर सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। सपा विधानमंडल दल के मुख्य सचेतक मनोज पांडेय ने बताया कि सपा विधायक यूपी में ध्वस्त कानून व्यवस्था, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ हुए फर्जी मुकदमे, सूखा संकट, गन्ना किसानों के बकाया भुगतान, किसानों की आत्महत्या समेत अन्य मुद्दों को लेकर 18 सितंबर तक प्रतिदिन 11 बजे से दो बजे तक धरना देंगे।

हाउस अरेस्ट पर बोले गोप, जनता सिखाएगी सबक

बाराबंकी के सिविल लाइन स्थित आवास पर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं सपा के पूर्व प्रदेश महासचिव अरविंद कुमार सिंह गोप को हाउस अरेस्ट किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न और भ्रष्टाचार के खिलाफ सपा का लखनऊ में धरना-प्रदर्शन होना था, जिससे डर कर यूपी की जुल्मी सरकार ने सभी नेताओ को हाउस अरेस्ट करा दिया है। सपा कार्यकर्ता डरने और झुकने वाला नहीं है। पुलिस के बल पर लोकतंत्र की आवाज को भाजपा दबाना चाहती है। डबल इंजन की सरकार को जनता माफ नही करेगी। 2024 के लोक सभा चुनाव में जनता सबक जरूर सिखाएगी।

अब ये करेंगे नेतृत्व

मुख्य सचेतक मनोज कुमार पांडेय को आज धरना देना था। कल यानी 15 सितंबर को प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, 16 को पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद एवं इंद्रजीत सरोज, 17 को पूर्व मंत्री राम अचल राजभर और 18 को धरने का नेतृत्व पूर्व नेता विरोधी दल रामगोविंद चौधरी तथा पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सिंह करेंगे।

अखिलेश शिवपाल में कहीं और दूरी न बढ़ा दे विधान सभा में आगे की सीट

» सदन में किस सीट पर बैठेंगे यह स्पीकर तय करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक ओर शिवपाल यादव सपा से कोई नाता न रखने का ऐलान करते हैं और दूसरी ओर सपा उनको सदन में आगे बिठाने की मांग का समर्थन करती है। क्या यह चाचा भतीजे के नजदीक आने के संकेत हैं या और दूर जाने के... इसके अपने निहितार्थ हैं। पर सपा के नेता कहते हैं कि यह पहल तो चाचा के सम्मान में है। सदन में अभी यह तय नहीं है कि शिवपाल यादव आगे की पंक्ति में किस सीट पर बैठेंगे। इस पर अभी स्पीकर को निर्णय करना है।

आगे बैठने की सूरत में संभव है कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष से ज्यादा दूर की सीट बैठने को मिले। आगे बैठने की मांग व उसका सपा का समर्थन के अपने निहितार्थ हैं। 403 के सदन में एक चौथाई सीटों से ज्यादा पर सपा सदस्य बैठते हैं। सबसे आगे की पंक्ति काफी लंबी व दूर तक गई है। इसमें कहीं भी शिवपाल के लिए सीट आवंटित हो सकती है। ऐसे में उन्हें सदन में नेता प्रतिपक्ष यानी अखिलेश यादव की सीट से दूर भी कोई सीट आवंटित हो सकती है। प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल यादव सपा विधायक हैं। सपा ने उनकी सदस्यता खत्म कराने का इरादा फिलहाल टाल दिया है। सियासत के जानकारों का कहना है कि यह पास आने के बजाये दूर करने की चतुर चाल भर है।

शिवपाल-आजम खां की हुई मुलाकात

शिवपाल यादव व आजम खां दोनों ने दिल्ली में मुलाकात की। इसमें क्या बात हुई यह तो ज्यादा साफ नहीं हो पाया लेकिन माना जा रहा है कि आजम खां से जुड़े कानूनी मसलों पर शिवपाल ने जानकारी ली। हालांकि शिवपाल यादव आजम खां से नजदीकी रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन आजम खां कई मौकों पर साफ कर चुके हैं कि अब उम्र के इस पड़ाव में सपा छोड़ कर कोई नया मोर्चा या संगठन बनाने के मूड में बिल्कुल नहीं हैं। अलबत्ता उनकी चिंता अपने विधायक बेटे को पार्टी में मजबूती से जमाने की है। शिवपाल की भाजपा से नजदीकी आजम खां के किस काम आ सकती है। इस पर अभी कुछ कह पाना खासा मुश्किल है।

सेवानिवृत्ति से 8 साल पहले आईएएस श्रीनिवासुलु का इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में एक और आईएएस अधिकारी जी. श्रीनिवासुलु ने अपना इस्तीफा नियुक्ति विभाग को भेज दिया है। 2005 बैच के आईएएस श्रीनिवासुलु यहां विशेष सचिव के पद पर तैनात हैं। हाल ही में उन्हें वित्त विभाग से राजस्व विभाग में भेजा गया था। इस साल स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) मांगने या इस्तीफा देने वाले वे पांचवें आईएएस अधिकारी हैं। वहीं क्रे से एनओसी आते ही आईएएस जूथिका और रेणुका कुमार को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति दे दी जाएगी।

आखिर प्रतिष्ठित सेवा से क्यों हो रहा मोहभंग

जी. श्रीनिवासुलु और विद्या भूषण के इस्तीफे ने सवाल पैदा कर दिए हैं कि आखिर ऐसे आईएएस अधिकारी क्यों इस्तीफा दे रहे हैं, जिनकी लंबी सेवाएं बची हुई हैं। वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का कहना है कि 2004 के बाद इस प्रतिष्ठित अखिल भारतीय सेवा में भी पेंशन की सुविधा नहीं है। वे भविष्य के प्रति उतने आश्वस्त नहीं रहते, जितने आम तौर पर इस सेवा में अधिकारी होते थे। वर्ष 2004 से पहले सेवा में आए अधिकारी भी बेहतर विकल्प मिलते ही दूसरी ओर रुख करने में भलाई समझ रहे हैं।

प्रदेश के सभी संबंधित विभागों से इन दोनों के मामले में एनओसी मिल चुकी है। जी. श्रीनिवासुलु का कार्यकाल जुलाई 2030 तक बचा है। अपने इस्तीफा का कारण उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें बताई हैं। कुछ ही दिनों पहले 2008 बैच के आईएएस और पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक विद्या भूषण ने वीआरएस के लिए आवेदन किया था, लेकिन न्यू पेंशन स्कीम में वीआरएस का प्रावधान नहीं है। इसलिए सरकारी सेवा से अलग होने के लिए उन्होंने त्यागपत्र भेज दिया है। 2003 बैच के आईएएस अधिकारी विकास गोठलवाल भी वीआरएस के लिए आवेदन कर चुके हैं। उनकी सेवा फरवरी 2038 तक है। नियम है कि 30 साल या 50 वर्ष की आयु पूरी कर चुके आईएएस अधिकारी को राज्य सरकार ही वीआरएस दे सकती है।

भड़काऊ भाषण के मामले सुनवाई पूरी, आजम तलब

» सपा नेता के खिलाफ तीन साल पहले दर्ज हुआ था मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर विधायक आजम खां के खिलाफ तीन साल पहले दर्ज हुए भड़काऊ भाषण मामले में अदालत में गवाही पूरी हो गई है। अदालत अब इस मामले में 17 सितंबर को सुनवाई करेगी। अदालत ने आजम खां को अपने बयान दर्ज कराने के लिए तलब किया है। भड़काऊ भाषण का मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का है। तब आजम खां पहली बार सपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़े थे।

चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ भाषणबाजी के आरोप में उनके खिलाफ मिलक कोतवाली में अभियोग पंजीकृत हुआ था। इसकी सुनवाई विशेष न्यायालय एमपी-एमएलए (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही है। इस मामले में अभियोजन की ओर से मुकदमा वादी एडीओ पंचायत अनिल चौहान समेत पांच गवाह पेश किए थे। आखिरी गवाह मिलक कोतवाली में घटना के समय तैनात रहे दारोगा बृजेश कुमार सिंह थे। बुधवार को उनकी गवाही भी पूरी हो गई। कोर्ट ने अब इस मामले में आजम खां को अपना बयान दर्ज कराने के लिए 17 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने के आदेश दिए हैं।

टॉर्च की रोशनी में ऊर्जा मंत्री का विजिट

» बाराबंकी में सब सेंटर को निरीक्षण करने पहुंचे थे, अंधेरे में पलटते रहे रजिस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में ऊर्जा मंत्री विद्युत व्यवस्था की जमीनी हकीकत जानने बाराबंकी पहुंचे। मंत्री के औचक निरीक्षण के दौरान विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त रही। मंत्री एके शर्मा यहां बाराबंकी जिले के बढ़ेल उपकेंद्र पर निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान वहां उन्हें लाइट गायब मिली, जिसके चलते मंत्री को घंटों मोबाइल की रोशनी में उपकेंद्र का निरीक्षण करना पड़ा। मोबाइल की रोशनी में ही मंत्री एके शर्मा रजिस्टर के पन्ने पलटते रहे। लाइट गायब होने पर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने जिले में रोस्टर के हिसाब से बिजली सप्लाई देने के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। बाराबंकी में बिजली व्यवस्था को लेकर लोग लगातार शिकायत कर रहे थे।

जिले में कई क्षेत्रों से लोग आए दिन विद्युत विभाग को ट्वीट कर और अधिकारियों को फोन कर क्षेत्र में हल्की बारिश या अन्य खराबी के चलते कई-कई घंटे विद्युत व्यवस्था सप्लाई बंद होने को लेकर शिकायत कर रहे थे। मंगलवार को विद्युत समाधान सप्ताह के दूसरे दिन ऊर्जा मंत्री एके शर्मा बाराबंकी में विद्युत व्यवस्था को लेकर औचक निरीक्षण करने पहुंचे। ऊर्जा मंत्री के निरीक्षण के दौरान जिले की विद्युत व्यवस्था खुलकर उनके सामने आ गई। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा जब बढ़ेल

उपकेंद्र पर निरीक्षण कर रहे थे तो उस दौरान विद्युत सप्लाई गायब रही। विद्युत मंत्री एके शर्मा को घंटों मोबाइल की रोशनी में उपकेंद्र का निरीक्षण करना पड़ा, जिसको लेकर एके शर्मा ने अधिकारियों से कड़ी नाराजगी जताई और जिले में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने के कड़े निर्देश दिए। बता दें कि बाराबंकी के गांव में 6 -7 घंटे लाइट आती है। कभी-कभी बड़ा फाल्ट होने पर एक हफ्ते तक लाइट नहीं आती है, जबकि शहर में 16 घंटे बिजली सप्लाई का दावा किया जा रहा है। तहसीलों में भी 10 से 12 घंटे बिजली की आपूर्ती की जा रही है। मीटर तेज चलने की काफी शिकायतें आ रही हैं। जिससे लोगों में आक्रोश है। इसी को लेकर लगातार ऑनलाइन शिकायत की जा रही थी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

तबादलों में शिक्षक नहीं पा सकेंगे मनचाहा विद्यालय

» छह साल बाद विभाग ने तय की नीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। परिषदीय शिक्षकों का जिले के अंदर तबादला व समायोजन करने के लिए पोर्टल डेढ़ माह बाद भी नहीं खुल सका है। अधिकारी लगातार तारीखें बढ़ा रहे हैं। तबादलों में शिक्षकों को मनचाहा विद्यालय भी नहीं मिल सकेगा, बल्कि बड़ी संख्या में शिक्षक कार्यरत विद्यालयों से हटाए जरूर जाएंगे। विभाग ने करीब छह साल बाद नीति तय की है लेकिन, शिक्षकों की मुराद पूरी नहीं हो रही।

इसमें छात्र शिक्षक अनुपात दुरुस्त होगा। बेसिक शिक्षा विभाग परिषदीय अध्यापकों का जिले के अंदर स्थानांतरण व समायोजन आनलाइन

करने के लिए 27 जुलाई को आदेश जारी कर चुका है। प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा दीपक कुमार ने आदेश दिया था कि 10 दिन में पोर्टल शुरू किया जाए लेकिन, मेरिटोरियस रिजर्व कैटेगरी एमआरसी शिक्षकों का स्कूल की वजह से प्रक्रिया रुकी है। इससे साफ है कि विभाग विद्यालयों में शिक्षक व छात्र अनुपात सही करना चाहता है, क्योंकि जिन स्कूलों में इन शिक्षकों का आवंटन होगा वहां तबादलों में शिक्षक नहीं भेजे जाएंगे।

भारत जोड़ो यात्रा : यूपी में हाशिए पर खड़ी कांग्रेस को संजीवनी मिलने की उम्मीद पड़ी फीकी

» अस्सी लोक सभा सीटों वाले प्रदेश में सिर्फ एक जिले से गुजरेगी यात्रा

» पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के निर्णय से कार्यकर्ता और पदाधिकारी हैरान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हाशिए पर खड़ी कांग्रेस को भारत जोड़ो यात्रा से मिलने वाली संजीवनी की उम्मीद फीकी पड़ गयी है। अस्सी लोक सभा सीटों वाले प्रदेश में सिर्फ एक जिले से होकर यह यात्रा गुजरेगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के इस निर्णय से कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी हैरान है। उनका मानना है कि इतने बड़े राज्य में यह यात्रा कई जिलों से होकर गुजरनी चाहिए ताकि यहां पार्टी खुद को जनता से एक बार फिर जोड़ने की कोशिश करती।

नेशनल कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव तथा उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा प्रदेश में हाशिए पर चली गई कांग्रेस को फिर से खड़ा करने के अभियान में लगी हैं। विधान सभा चुनाव 2022 में उत्तर प्रदेश में 403 प्रत्याशी उतारने वाली प्रियंका के अभियान को अपने ही झटका दे रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर हैं, वह देश के अन्य राज्यों में कम से कम सात दिन तक संपर्क कर रहे हैं लेकिन उत्तर प्रदेश में सिर्फ चार दिन में ही भारत जोड़ो यात्रा को समाप्त कर देंगे। कांग्रेस बेशक महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता जैसे मुद्दों को लेकर भारत जोड़ो यात्रा पर निकली हो लेकिन यह साफ है कि उसका लक्ष्य 2024 में होने वाला लोक सभा चुनाव है। पुराने कांग्रेसी केरल के वायनाड से सांसद राहुल गांधी के उत्तर प्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा के कार्यक्रम से काफी निराश हैं। उनका मानना है कि 80 लोक सभा सदस्य देने वाले उत्तर प्रदेश में सिर्फ चार दिन की भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस का भला नहीं होने वाला है। उत्तर प्रदेश में कभी दबदबा बनाने वाली कांग्रेस अब सिर्फ रायबरेली तक सिमट गई है। अमेठी को गंवाएं उनको लगभग पांच वर्ष होने वाले हैं। अब तो लग रहा है कि रायबरेली भी चला जाएगा।

क्या कहना है वरिष्ठ नेताओं का

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद आचार्य प्रमोद कृष्णम कहते हैं कि उत्तर प्रदेश न सिर्फ बड़ा राज्य है बल्कि यह गंगा-जमुनी तहजीब का केंद्र है। मैं चाहूंगा कि भारत जोड़ो यात्रा अयोध्या, काशी, मथुरा और देवा शरीफ जैसे स्थानों से भी गुजरे। सिर्फ मैं ही नहीं, कांग्रेस के बहुत सारे कार्यकर्ता चाहते हैं कि भारत जोड़ो यात्रा का प्रदेश में विस्तार होना चाहिए। कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता मान रहे हैं कि उत्तर प्रदेश की अनदेखी करने से यही संदेश निकलता है कि पार्टी का अब उत्तर प्रदेश पर फोकस नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्र मानते हैं कि अच्छा होता यात्रा को उत्तर प्रदेश में और विस्तार मिलता। यात्रा को लेकर हम लोगों की राय नहीं ली गई।

लोक सभा की एक और विधान सभा की दो सीटों में सिमटी पार्टी

राहुल गांधी के पिछला लोक सभा चुनाव अमेठी से हारने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी प्रदेश से पार्टी की एकमात्र सांसद हैं। रायबरेली सीट पर सोनिया से मुकाबले को न सपा ने और न ही बसपा ने प्रत्याशी उतारा था। हाल के विधान सभा चुनाव में भी कांग्रेस सिर्फ दो सीट और ढाई प्रतिशत वोट पर सिमट गई।

सिर्फ बुलंदशहर से गुजरेगी यात्रा

कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा का जो रोडमैप घोषित किया है, उसके मुताबिक यह यात्रा उस उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में से सिर्फ एक बुलंदशहर से होकर गुजरेगी जिसकी सियासी ताकत का अहसास इस कथन से ही लगाया जाता रहा है कि दिल्ली का रास्ता यूपी से ही होकर गुजरता है। कुल 3570 किलोमीटर की यात्रा उत्तर प्रदेश में बमुश्किल 100-110 किलोमीटर का फासला करीब चार दिनों में तय करेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता से लेकर कार्यकर्ता भारत जोड़ो यात्रा के इस रोडमैप को लेकर परेशान है। उनका एक ही सवाल है कि उत्तर प्रदेश को लेकर प्रियंका जी काफी मेहनत कर रही हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के भविष्य को लेकर वह जी-जान से जुटी हैं, लेकिन देश की राजनीति की दशा-दिशा तय करने वाले गृह राज्य उत्तर प्रदेश से आखिर राहुल गांधी ने कदम क्यों खींच लिए हैं।

सुभासपा में अंदरूनी कलह के बीच सावधान यात्रा की तैयारी!

ओमप्रकाश राजभर पूर्वांचल में करेंगे 17 महारैली

जनचौपाल के जरिए आम जनता को जोड़ने का प्रयास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। खोते जनाधार को हासिल करने में जुटी कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के बीच अब पार्टी को टूट से बचाने के लिए अपना जनाधार बनाने के लिए ओमप्रकाश राजभर भी सक्रिय हो गए हैं। बिहार में पार्टी का जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर रहे राजभर बिहार में सियासी कार्यक्रमों को पूरा करने के बाद दोबारा अपने जनाधार वाले क्षेत्र पूर्वांचल में सक्रिय हो गए हैं। दरअसल, पार्टी से नाराज चल रहे महेंद्र राजभर नवरात्रि में नई पार्टी गठित करने जा रहे हैं।

ऐसे में पार्टी नए सिरे से खुद को सशक्त करने की तैयारी में जुट गई है। सोमवार को मऊ जिले में विभिन्न जगहों पर जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन कर जनता से संवाद किया गया और 18 अक्टूबर 2022 को लाखीपुर मंदिर घोसी में लोगों से उपस्थित होने की अपील भी की गई। पार्टी सूत्रों के अनुसार अब ओमप्रकाश राजभर की नजर पूर्वांचल में अपने समर्थकों पर टिकी है। मऊ जिले में कार्यकर्ताओं और जनता से संवाद करने के साथ ही पूर्वांचल के अन्य जिलों में भी पार्टी से लोगों को जोड़ने के लिए विशेष प्रयास जन चौपाल कर रहे हैं। पार्टी आने वाले दिनों में पूर्वांचल में वृहद स्तर पर महारैली आयोजित करने की तैयारी में है।

संगठन में भगदड़, इस्तीफों से परेशान राजभर

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को समाजवादी पार्टी गठबंधन से अलग होने के बाद उनकी अपनी पार्टी के पदाधिकारी एक के बाद एक झटके दे रहे हैं। दो दिन पहले एक बार फिर कई पदाधिकारियों ने एक साथ सामूहिक इस्तीफा दे दिया। ऐसा करते वक्त उन्होंने राजभर पर पार्टी की मूल नीतियों से भटक जाने का आरोप भी लगाया। इस्तीफा देने वालों में सुभासपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मास्टर राधेश्याम सिंह, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, जिला प्रभारी बृजेश सिंह, जिला सचिव संजय राजभर सहित कई वरिष्ठ पार्टी नेता शामिल रहे।

आरोपः दोहरी नीतियों पर कार्य कर रही पार्टी

पार्टी से इस्तीफा दे चुके लोगों का आरोप है कि पार्टी अपने मूल कर्तव्यों को भूल कर दोहरी नीतियों पर कार्य कर रही है। मास्टर राधेश्याम सिंह की अगुवाई में सभी पदाधिकारियों ने सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को पार्टी के सभी पदों और सदस्यता से अपना इस्तीफा भेजा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी का गठन गरीबों, दबे कुचले और समाज के उत्थान के लिये किया गया था लेकिन पार्टी की दोहरी नीतियों से कार्यकर्ता आहत हो गए हैं। उन्होंने कहा कि मिशन से भटक चुके नेताओं के चलते पार्टी कार्यकर्ताओं का विश्वास डगमगाने लगा है। कार्यकर्ताओं के डगमगा रहे विश्वास को संभालने की बजाय नेता अपने हिसाब से निर्णय लेते रहते हैं। नतीजा यह हुआ की पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं का विश्वास पूरी तरह से डिग गया है। वे खुद को ठगा महसूस करने लगे हैं।

लोगों से महारैली से जुड़ने की अपील

ओमप्रकाश राजभर मऊ के बाद अब पूर्वांचल के अन्य जिलों में भी चौपाल कर आम जनता से संवाद के जरिए उनको जोड़ने की तैयारियों में लगे हुए हैं। समाजवादी पार्टी से चुनाव के बाद अलग होने वाले ओमप्रकाश राजभर अब जन चौपाल कर लोगों से महारैली से जुड़ने की अपील कर रहे हैं। मऊ के बाद उनका अन्य जिलों का दौरा भी प्रस्तावित है। जहां जनता के बीच जाकर जन चौपाल में उनके जिले में होने वाले आयोजन की जानकारी देकर उनको कार्यक्रम से जोड़ने की तैयारी जन चौपाल के जरिए की जा रही है। राजभर जातीय गणना को लेकर सावधान यात्रा निकालने की तैयारी कर रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार 26 सितंबर को लखनऊ से सावधान यात्रा की शुरुआत करने जा रहे हैं। इसके बाद 27 सितंबर को वाराणसी जिले के मुनारी में उनकी सावधान यात्रा महारैली का आयोजन होगा। इसके बाद पूर्वांचल में 17 अन्य महारैलियां आयोजित कर पार्टी से लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इसी क्रम में ओमप्रकाश राजभर अब पूर्वांचल में जन चौपाल का आयोजन कर रहे हैं।

ज़िद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

महंगाई से जनता को राहत नहीं

"सरकार के तमाम दावों के बावजूद महंगाई कम नहीं हो रही है। खाने-पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ते जा रहे हैं। खुद सरकारी आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में खुदरा महंगाई दर में बढ़ोतरी हुई है। यह सात फीसदी तक पहुंच गयी है जबकि जुलाई में 6.71 प्रतिशत थी। खुदरा महंगाई दर पिछले आठ माह से आरबीआई के 6 फीसदी टारगेट से ऊपर बनी हुई है।

सरकार के तमाम दावों के बावजूद महंगाई कम नहीं हो रही है। खाने-पीने की वस्तुओं के दाम बढ़ते जा रहे हैं। खुद सरकारी आंकड़े इसकी गवाही दे रहे हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में खुदरा महंगाई दर में बढ़ोतरी हुई है। यह सात फीसदी तक पहुंच गयी है जबकि जुलाई में 6.71 प्रतिशत थी। खुदरा महंगाई दर पिछले आठ माह से आरबीआई के 6 फीसदी टारगेट से ऊपर बनी हुई है। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। सवाल यह है कि केंद्र सरकार के उठाए जा रहे कदमों के बावजूद महंगाई पर नियंत्रण क्यों नहीं लग पा रहा है? बेरोजगारी से जूझ रहा आम आदमी रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का बोझ कैसे उठा सकेगा? क्या क्रय शक्ति बढ़ाए बिना महंगाई की रफ्तार को थामा जा सकता है? क्या इससे बाजार में पूंजी प्रवाह अवरुद्ध नहीं होगा? क्या आरबीआई एक बार फिर अपने ब्याज दरों को बढ़ा सकती है? क्या रूस-यूक्रेन युद्ध का असर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है?

कोरोना ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को बेपटरी कर दिया है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। कोरोना काल में एक ओर मुफ्त राशन समेत कई योजनाओं के संचालन के कारण देश के खजाने पर दबाब बढ़ा वहीं उद्योग-धंधों समेत अन्य आर्थिक गतिविधियों के कारण सरकार की आय लंबे समय तक बंद रही। लाखों लोग बेरोजगार हो गये। वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण तेल के दामों में इजाफा हुआ। इन सबका असर बाजार पर पड़ा। आर्थिक गतिविधियां शुरू हुई तो तमाम कंपनियों ने अपने उत्पादों के दामों में इजाफा कर दिया। अकेले दवा की कीमतों में 18 से बीस फीसदी की वृद्धि की गयी। सबसे ज्यादा सब्जी, मसाला, अनाज, ईंधन और बिजली के दाम बढ़े। ताजा आंकड़ों की बात करे तो खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर अगस्त में 7.62 तक पहुंच गई जबकि यह जुलाई में 6.69 फीसदी पर थी। वहीं पिछले साल इस अवधि में यह दर 3.11 फीसदी थी। वहीं औद्योगिक उत्पादन की धीमी गति से सरकार की आय कम हुई। पर्याप्त मात्रा में रोजगार उपलब्ध नहीं होने से लोगों की क्रय शक्ति में भी गिरावट आयी है। इसके कारण आम आदमी महंगाई के बोझ से दबता जा रहा है। चिंता की बात ये है कि महंगाई दर के मामले में आरबीआई लगातार 8 महीने से 6 फीसदी के निर्धारित लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाया है। ऐसे में आने वाले दिनों में रिजर्व बैंक ब्याज दरों में फिर बढ़ोतरी कर सकता है। इसका सीधा असर लोगों द्वारा होम और कार लोन चुकाने पर पड़ेगा। जाहिर है सरकार को महंगाई को रोकने के लिए कारगर और व्यवहारिक कदम उठाने होंगे अन्यथा स्थिति खतरनाक हो सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सशक्त राष्ट्रवाद के नये प्रतीक

प्रभु चावला

कोई राष्ट्र अपने एक मुकाम पर तब पहुंचता है, जब इतिहास भविष्य के दिशा-निर्देश के रूप में वर्तमान के साथ अतीत को सरलता से संबंधित करता है। भारत की सामूहिक स्मृति में हमारे इतिहास और उनके इतिहास के बीच युद्ध जारी है। इस संघर्ष ने व्यक्तिपरक राष्ट्रवाद और बलवान राष्ट्रवाद की परस्पर युद्धरत विचारधाराओं को जन्म दिया है। 2014 में नरेंद्र मोदी का भारत का 15वां प्रधानमंत्री बनना एक निर्णायक मोड़ था। तब से वे लगातार भारत की विरासत के व्यक्तिपरक विश्लेषण एवं प्रस्तुति को मिटाने तथा मुगल अत्याचार और औपनिवेशिक दासता के विरुद्ध भारत के संघर्ष को पुनर्स्थापित करने में जुटे हैं। इलियस कनेटी ने जन और अभिजन के अंतर को रेखांकित करते हुए लिखा है कि जन किसी विषय पर सहमत या असहमत होने के लिए एकजुट होते हैं, जबकि अभिजन किसी विषय पर सहमत या असहमत होते हैं, पर भिन्न कारणों से।

मोदी युग ने नये भारतीय अभिजन को जन्म दिया है, जो भारत के दास अतीत के स्मृति चिह्नों को बर्दाश्त नहीं करता। शहरों व संस्थाओं के नाम बदले जा रहे हैं। संस्कृति, कला, धर्म, समाज सेवा, यहां तक कि स्वाधीनता आंदोलन से भी नये प्रतीक निकाले जा रहे हैं, जो वर्तमान के अनुरूप हैं। उनका अभियान स्पष्ट है, बहुलतावादी वर्तमान को असम्मानित अतीत में बहिष्कृत करना ताकि पूर्ण स्थानिक की रचना हो सके। पंथनिरपेक्षतावादियों के लिए भारत का वर्तमान और कांग्रेस की अवधारणा समांतर परिघटनाएं हैं। राष्ट्रवादी भारत के अतीत को संतों, समाज सुधारकों, कवियों, लेखकों और सदियों पूर्व मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले योद्धाओं के परिवेश के रूप में देखने की भाजपा की दृष्टि को साझा करते हैं। अतीत अब मोदी-प्रभावित प्रतिष्ठान की संपत्ति है, जो ठोस रूप से यह मानता है कि कांग्रेस व उसके सहयोगियों ने भारत को ऐसा क्षुद्र राष्ट्र बना दिया जो विदेशियों से समर्थन व सहयोग चाहता है। कांग्रेस की रूढ़ सोच में घातक कमी यह है कि राष्ट्रीय नेतृत्व नेहरू व गांधी परिवार की एकल संपत्ति थी। मोदी इस धारणा को बदलना चाहते हैं। वह मानते हैं कि उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी ने विभाजन को स्वीकार कर भारत के भूगोल का संकुचन कर दिया है। इतना ही नहीं, उसने कांग्रेस के नेतृत्व में चले स्वतंत्रता संघर्ष की आत्मपरकता से अन्य सहभागियों को बहिष्कृत कर दिया। बीते सप्ताह मोदी ने भारतीयों को याद दिलाया कि नेहरू-गांधी परिवार ने ब्रिटिश शासन का आक्रामक विरोध करने वाले बलवान राष्ट्रवादियों से स्वतंत्रता का श्रेय छीन लिया। भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय सैन्य नेता सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा इंडिया गेट पर स्थापित हुई है। अपने निर्णयों को नेताजी के आदर्शों व सपनों से प्रभावित बताते हुए मोदी ने कहा कि नेताजी अखंड भारत के पहले प्रमुख थे, जिन्होंने 1947 से पूर्व अंडमान को स्वतंत्र कराया था।

अखंड भारत का उल्लेख ध्यान देने योग्य हैं क्योंकि यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के व्यापक एशिया का विचार है। भाजपा राजनीति व शासन के नेहरूवादी मॉडल को राष्ट्रीय मुख्यधारा से मिटाने में लगी है। यह पटेल, सावरकर, आंबेडकर जैसे नेताओं को स्वीकार करने और बढ़ावा देने में जुटी है ताकि वंशवादी राजनीतिक महामारी की रोकथाम हो सके। इसका जोर उन व्यक्तियों पर है, जिन्होंने कांग्रेस और मुगलों का विरोध किया था। बोस ऐसे ही एक विश्वसनीय प्रतीक हैं। आजाद हिंद फौज के संस्थापक को प्रतिष्ठित करना सही कदम है, जो सैन्य राष्ट्रवाद को एक अर्थ देता है, जो विभाजन को रोक सकता था।

भाजपा ने कांग्रेस-पूर्व और मुगल युग के नायकों को आगे किया है, जो अब तक इतिहास की पाठ्य-पुस्तकों में कोने में उल्लिखित थे। शिवाजी ऐसे ही एक प्रमुख राष्ट्रीय आदर्श हैं। मोदी सरकार ने उन्हें राष्ट्रीय नायकों के साथ स्थापित किया और संस्थानों का नामकरण उनके नाम पर किया। प्रधानमंत्री ने विमानवाहक युद्धपोत विक्रांत, जो आत्मनिर्भर भारत का रूपक है, के उद्घाटन के अवसर पर भारतीय नौसेना के नये प्रतीक चिह्न का भी उद्घाटन किया, जिसमें मराठा राजशाही की अष्टकोणीय मुहर है। शिवाजी महाराज की राजमुद्रा इसलिए प्रेरक है, क्योंकि उन्होंने दूरदृष्टि के साथ ताकतवर नौसैनिक बेड़ा बनाया था। मोदी शिवाजी के अलावा झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को भी आगे कर रहे हैं। यूपी विधान सभा चुनाव से ठीक पहले वह झांसी गये और वहां घोषणा की कि रानी की कर्मभूमि बुंदेलखंड को देश का एकमात्र रक्षा गलियारा बनाया जायेगा। बिसरा दिये गये नायकों के वीरतापूर्ण बलिदान का कीर्तिगान कर भाजपा एक ऐसे भारत की छवि प्रस्तुत कर रही है, जो न तो झुकेगा और न ही रक्षात्मक है।

फिर लौटेगा चीता

जल्दी ही चीता मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में विचरण कर रहा होगा। भारत में चीतों के न रहने के असंख्य कारण हैं, जिनमें पथ-निर्धारण, इनाम और शिकार के खेल के लिए बड़े पैमाने पर जानवरों को पकड़ना, पर्यावास में व्यापक बदलाव और उसके परिणामस्वरूप उनके शिकार के आधार का सिकुड़ना जैसे कारण शामिल हैं। ये सभी कारण मानव के व्यवहार से प्रेरित हैं और ये सिर्फ एक बात-प्राकृतिक दुनिया पर मनुष्य के पूर्ण प्रभुत्व का प्रतीक हैं।

भूपेंद्र यादव

हमारे देश में चीते की वापसी की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और भारत एक बार फिर से जमीन के सबसे तेज जानवर का स्वागत करने का बेताबी से इंतजार कर रहा है, जिसकी गुर्राहट कभी ऊंचे पहाड़ों और तटों के सिवाय समूचे देश के जंगलों में प्रतिध्वनित होती थी। चीते 17 सितंबर को भारत में वापस लौटेंगे। जल्दी ही चीता मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में विचरण कर रहा होगा। भारत में चीतों के न रहने के असंख्य कारण हैं, जिनमें पथ-निर्धारण, इनाम और शिकार के खेल के लिए बड़े पैमाने पर जानवरों को पकड़ना, पर्यावास में व्यापक बदलाव और उसके परिणामस्वरूप उनके शिकार के आधार का सिकुड़ना जैसे कारण शामिल हैं। ये सभी कारण मानव के व्यवहार से प्रेरित हैं और ये सिर्फ एक बात- प्राकृतिक दुनिया पर मनुष्य के पूर्ण प्रभुत्व का प्रतीक हैं इसलिए जंगल में चीते की दोबारा वापसी एक पारिस्थितिकीय गलती को सुधारने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दुनिया को दिये गये 'मिशन लाइफ' मंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में उठाया गया एक कदम है।

'मिशन लाइफ का उद्देश्य वास्तव में एक ऐसी समावेशी दुनिया का निर्माण करना है, जहां मनुष्य का लालच हमारी वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के अस्तित्व की जरूरत को नहीं लांघता अपितु जहां मनुष्य जीव-जंतुओं सहित प्रकृति के साथ सद्भाव से रहते हैं। विकास के पश्चिमी मॉडल ने इस धारणा को जन्म दिया कि मानव सर्वोच्च है और प्रौद्योगिकी की शक्ति से युक्त यह सर्वोच्च मानव हर उस चीज को हासिल कर सकता है, जिस पर वह अपना दावा करता है। जब इस मॉडल को व्यवहार में लाया गया तो मानव कहीं खो गये और इसके साथ ही उनके द्वारा अस्थायी रूप से अर्जित की गयी समृद्धि की भावना भी गुम हो गयी। इस मॉडल ने न केवल अनेक प्रजातियों को खतरे में डाला बल्कि पृथ्वी ग्रह के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया है।

युगों से भारत में हम 'प्रकृति रक्षति रक्षिता' पर विश्वास करते आये हैं। हमारी आजादी के बाद से देश ने केवल एक विशाल जंगली स्तनधारी को खोया है। हम अपनी आबादी के आकार और विकास संबंधी जरूरतों के बावजूद बाघ, शेर, एशियाई हाथी, घड़ियाल और एक सींग वाले गैंडे सहित कई महत्वपूर्ण प्रजातियों व उनके पारिस्थितिक तंत्रों को संरक्षित करने में सक्षम रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट लायन और प्रोजेक्ट एलीफेंट के साथ इन बेहद महत्वपूर्ण प्रजातियों की तादाद बढ़ाने में भी समर्थ रहा है। जहां एक ओर बाघ वन प्रणालियों की एक प्रमुख अग्रणी प्रजाति का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं चीता खुले जंगलों, घास के मैदानों और चारागाहों के शून्य को भर देगा। चीते की वापसी धरती के टिकाऊ पर्यावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वाकांक्षी कदम है क्योंकि एक शीर्ष परभक्षी की वापसी ऐतिहासिक विकासवादी संतुलन को बहाल करती है, जो उनके पर्यावास की बहाली और शिकार के आधार के संरक्षण पर व्यापक प्रभाव डालती है। चीता उस विकासवादी स्वभाविक चयन प्रक्रिया का हिस्सा रहा है, जिसके कारण हिरण और चिंकारा जैसी प्रजातियों में उच्च गति से अनुकूलन हुआ है।

चीते की वापसी लुप्तप्राय प्रजातियों और खुले वन पारिस्थितिकी तंत्र सहित उसके शिकार-आधार की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगी जो कुछ हिस्सों में विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी हैं। प्रोजेक्ट चीता उपेक्षित पर्यावासों को बहाल करने के लिए संसाधन लायेगा, जिससे उनकी जैव विविधता का संरक्षण होगा, उनके पारिस्थितिकी तंत्र की सेवाओं और कार्बन को जब्त करने की उनकी अधिकतम क्षमता का उपयोग हो सकेगा। स्थानीय समुदाय को भी बड़े पैमाने पर लाभ होगा क्योंकि चीते के लिए जिज्ञासा और सरोकारों के परिणामस्वरूप उत्पन्न पारिस्थितिक तंत्र से उनकी आजीविका के विकल्पों को बढ़ावा मिलेगा और उनके रहन-सहन की स्थिति में सुधार लाने में मदद मिलेगी। आज पूरी दुनिया विशाल मांसाहारी पशुओं और उनके पारिस्थितिकी तंत्रों को संरक्षित किये जाने की आवश्यकता के प्रति जागरूक हो चुकी है। विशाल मांसाहारी पशुओं की संख्या में हो रही गिरावट के क्रम को रोकने या उलटने के लिए दुनियाभर में उनके पुनः प्रवेश और संरक्षण/स्थानांतरण का उपयोग किया जा रहा है। चूंकि ग्रह के संरक्षक के रूप में भारत अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए टिकाऊ भविष्य का निर्माण करने के अपने वादे को पूरा करने के लिए पूरे दिल से आगे बढ़ रहा है, इसलिए उसने भी चीते की वापसी का विकल्प चुना है, ताकि वह शीर्ष परभक्षी के रूप में चीते की वापसी के साथ उसके पारिस्थितिकी तंत्र की गिरावट का रुख पलट सके। यूं तो चीते की पुनः वापसी कुनो में हो रही है, लेकिन उसकी तादाद में संभावित वृद्धि होने पर चीते को गुजरात, राजस्थान, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश सहित अन्य राज्यों में प्रवेश कराया जा सकता है। इससे वन्यजीवन के अन्य रूपों और संबद्ध पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के साथ-साथ भारत की खोयी हुई विरासत को पूरी तरह बहाल करने में मदद करेगी।

एलोवेरा पैक से मिलेगा बेदाग और चमकदार चेहरा

स्किन से संबंधित समस्या आखिर किसे पसंद होती है. स्किन बेदाग और स्पॉटलेस रहे, इसके लिए महिलाएं तरह-तरह की चीजें अपनाती हैं। चेहरे पर नजर आने वाले दाग धब्बे सारी खूबसूरती बिगाड़ कर रख देते हैं। इसे हटाना काफी मुश्किल भरा हो सकता है। महंगे-महंगे केमिकल युक्त प्रोडक्ट और पार्लर का ट्रीटमेंट कुछ टाइम तक तो दाग-धब्बे गायब कर सकते हैं लेकिन बाद में ये स्किन को अंदर से काफी नुकसान पहुंचाते हैं. ऐसे में जितना हो सके, इन चीजों से दूरी बनाना ही बेहतर है. इसके बजाय एलोवेरा काफी हद तक फायदेमंद हो सकता है। स्किन से दाग-धब्बे हटाने के लिए एलोवेरा के ये हैक्स काफी काम आ सकते हैं। चलिए जानते हैं कैसे?

प्योर एलोवेरा जेल

बे ब्यूटीफुल डॉट कॉम के मुताबिक प्योर एलोवेरा जैल में एंटी-ऑक्सिडेंट की भरपूर मात्रा होती है। स्किन में पिम्पल्स से होने वाले दाग धब्बों को कम करने में एलोवेरा जैल फायदेमंद है। अगर स्किन पिम्पल्स वाली है तो एलोवेरा जैल उस स्किन के लिए काफी अच्छा है। इसे लगाने के लिए ताड़ी एलोवेरा की पत्तियों से जैल निकाल लें। और चेहरे पर सोने से पहले लगाएं। कुछ ही हफ्तों में फायदे नजर आने लगेंगे।

टी ट्री आयल

स्किन में लंबे समय तक एलोवेरा और टी ट्री आयल का मिश्रण लगाया जा सकता है। अगर स्किन सेंसटिव है तो इससे फेज कर सकते हैं। एलोवेरा और टी ट्री आयल का इस्तेमाल करके घर पर ही एक किलिंजिंग सॉल्यूशन तैयार कर सकते हैं। जो दाग धब्बों को काफी हद तक कम करने में मददगार हो सकते हैं।

एलोवेरा और नींबू

ऑयली और पिम्पल्स वाली स्किन के लिए एलोवेरा और नींबू दोनों ही वरदान है। नींबू में एस्ट्रिंजेंट के गुण होते हैं, जिससे दाग धब्बे कम होते हैं। एलोवेरा जैल में नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं। कुछ मिनटों के बाद उसे धो दें। अगर स्किन सेंसटिव है तो इस मिश्रण का पैच टेस्ट पहले लें।

एलोवेरा, शहद और दालचीनी

एंटी-बैक्टीरियल के गुणों से भरपूर एलोवेरा, शहद और दालचीनी स्किन से सूजन को कम करते हैं। इससे स्किन को कई सारे फायदे मिलते हैं। दाग धब्बों को कम करने में भी ये तीनों चीजें किसी जादू से कम नहीं हैं। एलोवेरा जैल में दालचीनी आयल की कुछ बूंदे और शहद को अच्छे से मिला लें और फिर इसे दाग धब्बों वाली जगहों पर लगाएं. फायदा कुछ दिनों के बाद खुद नजर आएगा।

हंसना मना है

एक भिखारी को 100 का नोट मिला वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया।

लड़की का फोन आता है लड़के को लड़का- हां, कितने का रिचार्ज करवाऊं ? लड़की- तुम्हें क्या लगता है मैं हर बार रिचार्ज करवाने के लिए ही फोन करती हूं क्या लड़का-तो ?
लड़की-2 ड्रेस दिलवा दे ना

पत्नी- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे पति- नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है पत्नी-क्या गलतफलमी? पति- यही, कि मैं सो रहा था... तब से वाकई में पति की नींद गायब है...

लड़की- सुन जानू, गूगल मेल होता है कि फीमेल... लड़का- बेबी फीमेल होता है... लड़की- क्यों.. लड़का- क्योंकि अपना सेंटेन्स पूरा होने से पहले ही वो उसका सजेशन देना शुरू कर देता है!

लड़का : मैं उस लड़की से शादी करुंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो। प्रेमिका: मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में हैं।

कहानी

महामूर्ख

राजा कृष्णदेव राय होली का उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाते थे। होली के दिन मनोविनोद के अनेक कार्यक्रम विजयनगर में होते थे। प्रत्येक कार्यक्रम के सफल कलाकार को पुरस्कार देने की व्यवस्था भी होती थी। सबसे बड़ा तथा सबसे मूल्यवान पुरस्कार 'महामूर्ख' की उपाधि पाने वाले को दिया जाता था। तेनाली राम को हर साल सर्वश्रेष्ठ हास्य कलाकार का पुरस्कार तो मिलता ही था। अपनी चतुराई और बुद्धिमानी के बल पर प्रतिवर्ष 'महामूर्ख' भी वही चुना जाता था। इस तरह तेनाली राम हर वर्ष दो-दो पुरस्कार अकेले हड़प लेता था। इसी कारण अन्य दरबारियों को प्रतिवर्ष ईष्या की आग में झुलसना पड़ता था। इस साल अन्य दरबारियों ने फैसला कर लिया था कि इस बार होली के उत्सव पर तेनाली राम का पत्ता ही साफ कर दिया जाए। उसके लिए उन्होंने एक तरकीब भी खोज ली थी। तेनाली राम के प्रमुख सेवक को पढ़ा-सिखाकर उसके द्वारा तेनाली राम को छककर भंग पिलवा दी गई। होली के दिन इसी कारण तेनाली भंग के नशे की तरंग में घर पर ही पड़ा रहा। दोपहर बाद जब तेनाली राम की नींद खुली तो वह घबरा गया और इसी घबराहट में भागता-भागता दरबार में पहुंच गया। जब वह दरबार में पहुंचा, तब तक उत्सव में आधे से अधिक कार्यक्रम सम्पन्न हो चुके थे। राजा कृष्णदेव राय उसे देखते ही डपटकर बोले-''अरे मूर्ख तेनाली राम जी, आज के दिन भी भंग छानकर सो गये ?'' राजा ने तेनाली राम को मूर्ख कहा तो सारे दरबारी प्रसन्न हो उठे। उन्होंने भी राजा की हां में हां मिलाई और बोले, ''आपने बिल्कुल सत्य ही कहा महाराज। तेनाली राम मूर्ख ही नहीं बल्कि महामूर्ख है।'' जब तेनाली राम ने सब लोगों के मुंह से यह सुना तो मुस्कराता हुआ महाराज से बोला, 'धन्यवाद महाराज, आपने अपने श्रीमुख से मुझे महामूर्ख घोषित करके आज के दिन का सबसे बड़ा पुरस्कार तो मेरे लिए सुरक्षित कर ही दिया है।'' तेनाली राम के मुख से यह सुनते ही दरबारियों को अपनी भूल का पता चल गया। किन्तु वे अब कर भी क्या सकते थे? क्योंकि वे स्वयं ही अपने मुख से तेनाली राम को महामूर्ख बता चुके थे। होली के अवसर पर 'महामूर्ख' का पुरस्कार तेनाली राम हर साल की तरह फिर झपट ले गया।

6 अंतर खोजें

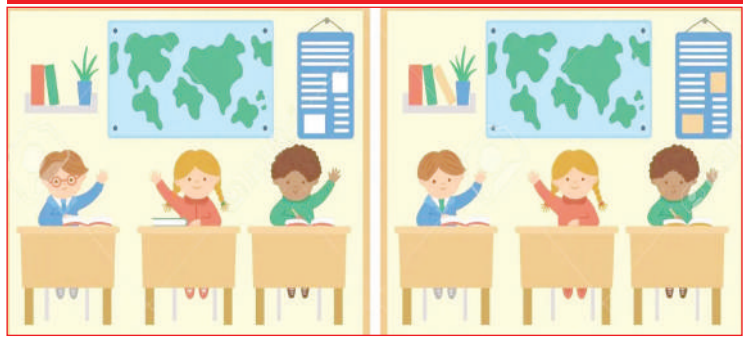

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष पार्टनर के साथ किसी खास जगह घूमने जा सकते हैं। लव लाइफ में पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा। नए दोस्तों से नजदीकियां बढ़ सकती हैं। मन में एक अजीब प्रेम उन्माद बना रहेगा।

वृषभ आए दिन हो रहे शोर-शराबे से आप परेशान रहेंगे। जीवनसाथी के घमंडी या अशिष्ट व्यवहार से मन दुखी रह सकता है। लव पार्टनर के साथ शाम रंगीन रहेगी। बातों में समय कब बीत गया पता ही नहीं चलेगा।

मिथुन लव राशिफल प्रेमी से प्रभावित होंगे। अगर आप किसी वजह से पहले प्रेमी से अलग हुए हैं तो संपर्क करें। अचानक बिछड़े प्रेमी से आपको कोई ऐसी खबर मिल सकती है जो दिल को खुश करने वाली होगी।

कर्क आज आप जो भी फैसला लें, सोच-समझकर लें। आप विपरीत लिंग के प्रति आकर्षित होंगे। दांपत्य संबंधों में मधुरता आएगी। वाहन आदि पर खर्च कर सकते हैं।

सिंह प्रेम संबंध में परिवार का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ मूवी या डिनर प्लान कर सकते हैं। रिश्ते को ठीक करने में मुश्किलें आ सकती हैं। अगर आप कामकाजी पत्नी की तलाश कर रहे हैं तो आपको सफलता मिलेगी।

कन्या शादियां हो रही हैं। किसी पुराने मित्र से विवाह तय हो सकता है। प्रेमी के साथ रोमांस के कई मौके मिलेंगे। साथ घूमने का प्लान बन सकता है। विवाहित जोड़े का दिन परिवार या परिवार नियोजन में व्यतीत होगा।

तुला प्रेम जीवन में गंभीर संबंध बनाने के लिए आपको बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। प्रेमी पर संदेह हो सकता है, अपना नजरिया बदलें। पति-पत्नी के बीच भी स्थितियां अनुकूल नहीं दिख रही हैं।

वृश्चिक संतान की ओर से कोई शुभ समाचार मिलेगा। मां के सहयोग और सहयोग से रिश्ता तय किया जा सकता है। आपका रोमांटिक मूड विपरीत लिंग के लोगों को आकर्षित कर सकता है।

धनु प्रेम संबंधों और प्रेम जीवन में स्थिरता आएगी। प्रेम में आत्मीयता बढ़ेगी। दिल रोमांटिक रहेगा। अपनी जिद को अपनी लव लाइफ पर हावी न होने दें। विवाहित जोड़े अपने वित्तीय भविष्य की योजना बना सकते हैं।

मकर प्रेम संबंधों को लेकर परिवार के सदस्य विरोध कर सकते हैं। नौकरी, आमदनी, आजीविका आज जीवन का मुख्य लक्ष्य रहेगा। रोमांटिक शाम का प्लान करेंगे। प्रेमी के सामने आज आप अपने प्यार का इजहार कर सकते हैं।

कुम्भ प्रेमी से पुरानी अनबन प्रेम के धागे को कमजोर कर सकती है। कोशिश करें कि प्रेम संबंधों में तनाव न बढ़े और कूल रहें। शादीशुदा जोड़ा बच्चों के लिए प्लान बना सकता है।

मीन रिलेशनशिप को लेकर एक्साइटेड हैं। जीवनसाथी को नौकरी मिल सकती है। शादीशुदा जोड़े के जीवन में रोमांस कम रहेगा। रिश्ते में ताजगी लाएं। डेट पर जाएं कैंडल लाइट डिनर प्लान करें।

मालदीव में वेकेशन मना रही हैं सनी लियोनी

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड की बेबी डॉल यानी एक्ट्रेस सनी लियोनी फिल्मों से ज्यादा अपने ग्लैमरस और हॉट लुक को लेकर चर्चा में रहती हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस अपनी तस्वीरों से अक्सर इंटरनेट का पारा बढ़ा देती हैं। इसी बीच अब सनी ने अपनी बिकिनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने देसी अवतार से फैंस को दिल जीता था। तो वहीं अब बोल्ड लुक से सबके होश उड़ा रही हैं। एक्ट्रेस इन दिनों मालदीव में वेकेशन मनाने पहुंची हैं। इन बिकिनी में कातिलाना अंदाज में पोज करते देखा जा सकता है। समंदर के किनारे रेत पर सनी लियोनी ब्लू कलर की बिकिनी में अलग अलग पोज देती नजर आ रही हैं। इस लुक को और हॉट बनाने के लिए चेहरे पर ब्लैक कलर के सन ग्लास लगाए हुए हैं। खुले बालों के साथ सनी लियोनी मदहोश अदाओं दिखाकर फैंस को दीवाना बना रही हैं। सनी ने तस्वीरों के कैप्शन में लिखा- मालदीव में पहला दिन। इन तस्वीरों में यूजर्स जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा है- गॉर्जियस तो वहीं दूसरे ने लिखा- औसम्मम्म। सनी लियोनी बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने अब तक कई फिल्मों में एक्टिंग की तो वहीं कई फिल्मों के आइटम सॉन्ग्स में भी नजर आई। हिंदी फिल्मों के बाद अब एक्ट्रेस तेलुगू मूवी में भी अपना जलवा दिखाती नजर आएंगे। फिल्म जिन्ना से एक्ट्रेस डेब्यू करने जा रही हैं। इसमें विष्णु मंचू और पायल राजपूत भी नजर आएंगे। इस मूवी में सनी एक एनआरआई के रोल में नजर आएंगी। तेलुगू से पहले सनी ने कई तमिल और मलयालम फिल्मों में काम किया है। बीते दिनों सनी वेब सीरीज अनामिका में नजर आईं थी, जिसमे उनका एक्शन अवतार देखा गया था। इस सीरीज में वह रॉ एजेंट की भूमिका में नजर आईं थीं।

बॉलीवुड | मन की बात

तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करेंगे संजय दत्त

साउथ इंडियन फिल्म डायरेक्टर लोकेश कनगराज अपनी अपकमिंग फिल्म की तैयारियों में लगे हुए हैं। कुछ समय पहले यह खबरें आई थीं कि इस फिल्म में साउथ सुपरस्टार थलपति विजय लीड रोल में नजर आएंगे। जिसे लेकर विजय के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। इस बीच खबरें भी आ रही हैं कि डायरेक्टर लोकेश ने अपनी अगली फिल्म में बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त को भी फाइनल कर लिया है। हालांकि अभी तक फिल्म का नाम सामने नहीं हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स की माने तो इस फिल्म में संजय दत्त गैंगस्टर के अवतार में नजर आएंगे। दरअसल लोकेश कनगराज की यह फिल्म गैंगस्टर बेस्ड एक्शन थ्रिलर थीम पर आधारित है। यही वजह है स्क्रिप्ट में मल्टीपल विलेन्स कीं जरूरत है। ऐसे में विलन के रोल में संजय दत्त से बेहतर कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है। सोर्सेस की मानें तो लोकेश कुछ समय से संजय दत्त से रोल से जुड़ी बातचीत कर रहे थे। आखिरकार उन्होंने 10 करोड़ रुपए की फीस लेकर संजय दत्त को फाइनल कर दिया है। फिल्म में विजय और संजय दत्त को एक साथ देखना बेहद इंटरेस्टिंग होने वाला है। बीते समय में लोकेश कनगराज हिंदी भाषी बेल्ट में काफी सक्सेसफुल साबित हुए हैं। उनकी फिल्म विक्रम को नॉर्थ इंडियन बेल्ट में काफी पसंद किया गया। इस सक्सेस को देखते हुए लोकेश साउथ सुपरस्टार विजय के साथ बड़ी फिल्म बनाने का प्लान कर रहे हैं। यही वजह है कि यह फिल्म पैन इंडिया होगी और इसमें अच्छा-खासा बजट खर्च किया जाएगा। खबरें तो यह भी हैं फिल्म में साउथ एक्टर पृथ्वीराज निगेटिव रोल निभाते नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो इस साल अक्टूबर या नवंबर में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी जाएगी। वहीं अगले साल फिल्म को दिवाली के मौके पर रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म 2023 में थलपति की दूसरी फिल्म होगी।

कपिल शर्मा की सास बनेंगे गौरव दुबे

टीवी | गपशप

ऑडियंस के चेहरे पर हंसी लाने वाला कॉमेडी शो द कपिल शर्मा शो एक बार फिर लोगों को एंटरटेन करने के लिए आ गया है। शो के इस सीजन में कई नए कॉमेडियन की एंट्री हुई है। हालांकि इन पांच कलाकारों में सबसे ज्यादा चर्चा कप्पू शर्मा की सास की हो रही है। सीजन 4 में कप्पू शर्मा की शादी हो गई थी, अब वो बिंदु यानी सुमोना चक्रवर्ती के पति बन चुके हैं। ऐसे में इस नए सीजन में कप्पू की बीवी के साथ उनकी सास, ससुर और साले साहब भी नजर आने वाले हैं, जिनकी झलक हम शो के प्रोमो में देख चुके हैं। शो में कपिल की सास का रोल जानेमाने स्टैंडअप कॉमेडियन गौरव दुबे निभाने वाले हैं। इससे पहले कॉमेडियन कई जी कॉमेडी फैक्ट्री और कॉमेडी सर्कस जैसे शेज का हिस्सा रह चुके हैं। इन सब के बाद गौरव अब कॉमेडियन कपिल शर्मा की सास रूपमती के किरदार में नजर आएंगे। एक्टर ने कहा मैं इस शो का हिस्सा बनकर भाग्यशाली महसूस करता हूं। मैं शो को बेहद एंजॉय कर रहा हूं, क्योंकि मैं बड़े आर्टिस्ट्स की संगति का अनुभव कर रहा हूं। चाहे वो कपिल सर हो या फिर पूरी क्रिएटिव टीम। मुझे गर्व है कि मुझे इस शो में आने का मौका मिला। मुझे लगता है कि मैं यहां पर बहुत कुछ सीखूंगा।

महिला ने दिया जुड़वां बच्चों को जन्म, 8 माह बाद सामने आई हैरान करने वाली सच्चाई

दुनिया में कई ऐसी अजीब चीजें होती हैं, जिनके बारे में जानकर लोग हैरान रह जाते हैं। इंसान के शरीर से जुड़ी कई बातें विज्ञान से जुड़े लोगों को भी हैरान कर देती हैं। इंसान के शरीर से जुड़े ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनके बारे में जानकर डॉक्टर्स भी हैरान रह जाते हैं। ऐसा ही एक मामले में पुर्तगाल से सामने आया। यहां एक महिला ने दो जुड़वां बच्चों को जन्म दिया। बच्चों के जन्म के 8 माह बाद ऐसी जानकारी सामने आई कि सबके होश उड़ गए।

डीएनए टेस्ट में सामने आई चौंकाने वाली सच्चाई

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पुर्तगाल की रहने वाली 19 साल की एक युवती ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था। बाद में जब बच्चों का डीएनए टेस्ट कराया तो सब हैरान रह गए। दरअसल, दोनों बच्चों के पिता अलग-अलग निकले। बता दें कि ये अपनी तरह का दुनिया का 20वां केस है जब जुड़वां बच्चों के पिता अलग-अलग निकले हों। इस तरह के केसेज को मेडिकल साइंस की भाषा में हेट्रोपैरेंटल सुपरफेक्यूंडेशन कहा जाता है। बताया जा रहा है कि यह घटना पुर्तगाल के गोइयास स्टेट में मौजूद छोटे से शहर की है। यहां जब 19 साल की लड़की ने जुड़वां बच्चों को जन्म दिया तो इनके पिता के तौर पर जिस शख्स का नाम लिया, वो बच्चों का डीएनए टेस्ट कराना चाहता था। जब टेस्ट हुआ तो पता चला कि उनमें से सिर्फ एक ही उसका बच्चा है। वहीं दूसरे जुड़वा बच्चे का पिता कोई और है। क्योंकि दूसरे बच्चे का डीएनए उससे नहीं मिला। दोनों बच्चों की शक्ल-सूरत भी एक-दूसरे से काफी मिलती है। ऐसे में उनकी मां को बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि उनके पिता अलग अलग हो सकते हैं। बच्चों के जन्म के 8 माह बाद इसका पता चला। अब बच्चे करीब डेढ़ साल के हैं। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक लड़की का कहना है कि वो एक साथ दो लोगों के साथ रिलेशनशिप में थी। यही वजह है कि उसके साथ ये केस हुआ। वो खुद डीएनए रिजल्ट्स को देखकर हैरान रह गई थी।

अजब-गजब | कोई नहीं जान पाया आज तक इसका रहस्य

इस स्थान पर अपने आप खिसकते हैं पत्थर

हमारी पृथ्वी लाखों करोड़ों रहस्यों से भरी पड़ी है। जिनके बारे में हम अक्सर किताबों में या फिर कहानियों में सुनते है। ये ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में आज तक कोई नहीं जान पाया। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। ये भी ऐसा ही रहस्य है जिसके बारे में आज तक दुनियाभर के वैज्ञानिक पता नहीं लगा पाए। दरअसल हम आपको आज डेथ वैली के बारे में बताने जा रहे हैं जो अमेरिका में स्थित हैं।

बता दें कि यह घाटी ऐसे पत्थरों के बारे में प्रसिद्ध है जो खुद ब खुद चलकर एक से दूसरे स्थान पर पहुंच जाते हैं। अगर आपको यकीन न हो तो इसका भी सबूत वहां मिलता है। दरअसल, जब ये पत्थत एक से दूसरी जगह खिसकर पहुंचे तो वहां उनके ऐसे निशान बन जाते हैं जैसे किसी गाड़ी के रेगिस्तान की धूल में बन जाते हैं। यहां के पत्थर अपने आप कैसे खिसकते हैं? इसे लेकर कई रिसर्च भी की गईं। उसके बाद भी इसके रहस्य से पर्दा नहीं उठ सका है। इन्हीं कारणों से देश विदेश से कई पर्यटक इस रहस्यमय जगह को देखने के लिए आते हैं। ये स्थान कैलिफोर्निया के दक्षिण पूर्व में स्थित नेवादा राज्य के पास में स्थित है। ये रहस्यमय स्थान 225 किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है। बता दें कि इन पत्थरों को आज तक किसी ने चलते हुए नहीं देखा है। ये पत्थर खिसकने के बाद एक लंबी रेखा अपने पीछे छोड़ जाते हैं। उन्हीं रेखाओं के निशानों के बाद से इस बात का पता चलता है कि ये पत्थर एक से दूसरे स्थान पर खिसककर चले जाते हैं।

दुनियाभर के वैज्ञानिक इन पत्थरों के बारे में अलग-अलग थ्योरी देते हैं। साल 1972 में इस रहस्य से पर्दा उठाने के लिए वैज्ञानिकों का एक दल इस जगह पर आया। उन्होंने इन पत्थरों के ऊपर करीब 7 सालों तक अध्ययन किया। वैज्ञानिकों ने उस दौरान 317 किलोग्राम के एक पत्थर का विशेष रूप से अध्ययन किया। उनके इस रिसर्च के दौरान वह पत्थर जरा भी नहीं हिला। वहीं कुछ सालों के बाद जैसे ही वैज्ञानिक दोबारा उस पत्थर का पता लगाने के लिए वापस वहां पर पहुंचे, तो वो करीब 1 किलोमीटर दूर मिला। इसे देखने के बाद कई वैज्ञानिक हैरान थे। कई दूसरे वैज्ञानिकों के मुताबिक ये पत्थर तेज हवाओं के कारण खिसकते हैं। हालांकि इन पत्थरों के खिसकने की वजह को लेकर रिसर्चर्स एकमत नहीं हैं। कुछ लोगों का ये भी कहना है कि इन पत्थरों को पारलौकिक शक्तियां खिसकाती हैं। वहीं स्पेन की कम्प्लूटेंस यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स का कहना है कि ऐसा यहां की मिट्टी में मौजूद माइक्रोब्स के कारण होता है। ये माइक्रोब्स मिट्टी को चिकना बना देते हैं। इस कारण पत्थर मिट्टी पर खिसकने लगते हैं। हालांकि इस बात का कोई ठोस सबूत नहीं मिला।

तेजस्वी का भाजपा पर हमला, कहा

लोक सभा चुनाव में सांप्रदायिक शक्ति को सत्ता से करेंगे बाहर

» देश भर के समाजवादी हो गए हैं एकजुट

» पुण्यतिथि पर पूर्व केंद्रीय मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह को किया याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि पर आयोजित स्मृति व्याख्यान में उन्होंने कहा कि देश भर के समाजवादी एकजुट हो गए हैं। केंद्र में बैठी सांप्रदायिक शक्ति वाली सरकार को 2024 में सत्ता से बाहर कर दम लेंगे।

उन्होंने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री रघुवंश प्रसाद सिंह को देश भर में मैन ऑफ मनरेगा के रूप में जाना जाता है। उनके जैसे नेता विरले ही जन्म लेते हैं। वह कार्यकर्ताओं में जोश भरने और संघर्ष करने वाले सच्चे समाजवादी नेता थे। मेरे पिता लालू प्रसाद से उनका रिश्ता कैसा था, यह सब जानते हैं। अपनी जमीन और संस्कृति को कभी नहीं छोड़ा। इस मौके पर पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार ने कहा कि रघुवंश प्रसाद सिंह विकास पुरुष थे। गांव-गांव में सड़क का जाल बिछाने की उनकी सोच थी। बिहार विधान परिषद के सभापति देवेश चंद ठाकुर ने कहा कि रघुवंश प्रसाद सिंह में सत्ता की चमक का कोई असर नहीं दिखा। जमीर वाले व्यक्ति थे। राजस्व मंत्री आलोक कुमार मेहता ने कहा कि रघुवंश बाबू हम सब के आदरणीय नेता थे। समाज के अंतिम लोग उन्हें आदर और सम्मान की नजर से देखते थे। शिक्षामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि वह हम सबके प्रेरणास्रोत थे। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री अब्दुल बारी सिद्दीकी, रामचन्द्र पूर्वे, श्याम रजक, अशोक कुमार सिंह, शिवचंद्र राम, शक्ति सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

कृषि मंत्री ने दिखाए बगावती तेवर, लालू से मिले

पटना। बिहार के कृषि मंत्री सुधाकर सिंह ने अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को हुई नीतीश कैबिनेट की बैठक के बीच में ही सुधाकर सिंह उठकर चले गए। बताया जा रहा है कि उन्होंने मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने की धमकी भी दी। इसके बाद उन्होंने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। इससे पहले सुधाकर सिंह ने अपने विभाग पर सवाल उठाते हुए खुद को चोरों का सरदार बताया। इसके बाद नीतीश सरकार की हर खेत तक पानी पहुंचाने के दावे को भी झूठा करार दिया। सुधाकर के कैबिनेट की बैठक के बीच से ही निकलने के बाद तरह-तरह की सियासी अटकलें लगाई जाने लगी हैं। माना जा रहा है कि बैठक में सुधाकर सिंह के अपने विभाग पर सवाल उठाए जाने के बयान पर चर्चा हुई। इसके बाद वे उठकर चले गए। बैठक से निकलने के बाद सुधाकर सिंह आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से मिलने पहुंचे। बताया जा रहा है कि उन्होंने लालू से कई मुद्दों पर बात की। सुधाकर ने बैठक के बीच में छोड़े जाने का कारण नहीं बताया है।

राजस्थान कांग्रेस की कलह पर शेखावत का तंज, कहा

आज जूते चले हैं कल कपड़े फटेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस के अंदरुनी कलह पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सीएम गहलोत पर निशाना साधा है। उन्होंने सीएम के सलाहकार बाबूलाल नागर का विडियो शेयर कर कहा कि सीएम अशोक गहलोत को किस नाम के आगे जिंदाबाद सुनने से डर लगता है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने खेल मंत्री अशोक चांदना के जूता फिंकवाने वाले ट्वीट पर कहा कि मैंने तो पहले ही कहा था कि राजस्थान कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं है। आज जूते चले हैं, कल कपड़े फटेंगे। दरअसल, जयपुर ग्रामीण के दूदू में आयोजित जनसभा में गहलोत समर्थिक निर्दलीय विधायक बाबूलाल नागर ने कहा कि यहां किसी को नारा लगाना है तो केवल राजीव गांधी अमर रहें और अशोक गहलोत जिंदाबाद का ही नारा लगाना है। किसी ने तीसरा नारा लगाया तो पुलिस उठा ले जाएगी। उन्होंने पुष्कर में मंत्री अशोक चांदना पर जूते फेंकने और हंगामा करने की घटना पर भी तंज कसा। अशोक चांदना ने कहा था कि सचिन पायलट के इशारें पर ही सभा में जूता-चप्पल फेंके गए।

डॉ. सनोबर ने छात्रों को छतर मंजिल के इतिहास से कराया परिचित

» सनोबर की पुस्तक छतर मंजिलः ए पैलेस बाय द रिवर का विमोचन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लामार्टिनियर कॉलेज लखनऊ के फाउंडर्स डे पर आयोजित व्याख्यान में महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय की सहायक प्रोफेसर डॉ. सनोबर हैदर ने छतर मंजिल के इतिहास से छात्रों को परिचित कराया। इस मौके पर उनकी लिखी पुस्तक छतर मंजिलः ए पैलेस बाय द रिवर का विमोचन भी किया गया।

डॉ सनोबर हैदर ने लखनऊ के स्थापत्य कला के बेजोड़ स्मारकों छतर मंजिल एवं फरहत बक्श के महत्व और विरासत की जानकारी छात्रों और शिक्षकों को दी। उन्होंने ऐतिहासिक इमारत के निर्माण, उसके महत्व, इसके केंद्रीय औषधि शोध संस्थान के रूप में दशकों तक इस्तेमाल होने से हुए नुकसान, 2013 में पुनः इसके संरक्षित स्मारक घोषित होने व जीर्णोद्धार के बारे में बताया। उन्होंने क्लॉड मार्टिन द्वारा निर्मित फरहत बक्श, जिसे चैटू डी क्लॉड मार्टिन के नाम से भी जाना जाता था और जहां पर क्लॉड मार्टिन ने अंतिम श्वांस ली थी, की विशिष्टताओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस भवन के विशिष्टताओं को देखते हुए अवध के तत्कालीन नवाब सआदत अली खान बीमार होने पर इस महल में रहे एवं स्वस्थ हुए थे, ने इसका नाम फरहत बक्श अर्थात खुशी देने वाली कोठी रखा था। डॉ. सनोबर हैदर कि पुस्तक का विमोचन कॉलेज के प्राचार्य कालाईल मैफरलैण्ड द्वारा न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) विष्णु सहाय एवं सैकड़ों छात्रों एवं शिक्षकगणों की उपस्थिति में किया।

हिंदी साहित्य गौरव सम्मान से नवाजे गए कवि शलभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हिंदी दिवस पर प्रसिद्ध हास्य कवि, गीतकार, गजलकार एवं गायक राजेश अरोरा शलभ को रोटरी इंटरनेशनल क्लब की लखीमपुर शाखा ने हिन्दी साहित्य गौरव सम्मान से नवाजा है। उन्हें यह सम्मान रोटरी क्लब लखीमपुर की वर्तमान अध्यक्ष मधुलिका त्रिपाठी व सचिव प्रीती सिंह ने प्रदान किया। बतौर मुख्य अतिथि कवि शलभ ने कहा कि हिन्दी का हाशिये पर होने का एक कारण आधुनिक समाज का अंग्रेजी के प्रति अंधी दौड़ है। इसके बावजूद हिन्दी आज विश्व के बहुसंख्य देशों में बोली और समझी जाती है। उन्होंने स्वरचित हिन्दी गीत के माध्यम से भारत और विश्व में हिन्दी साहित्य की समृद्धता और उसकी उपलब्धियों को रेखांकित किया ।

गुलाम नबी ने राहुल पर साधा निशाना, बोले

मैं व्यक्तिगत नहीं, नीतियों की करता हूं आलोचना

» जी-23 बनने के बाद कांग्रेस नेताओं ने मेरे खिलाफ फैलाया झूठ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस से अलग होने के बाद वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद अगले कुछ दिनों में नई पार्टी की घोषणा करने वाले हैं। पार्टी के ऐलान से पहले वह लगातार कांग्रेस और राहुल गांधी को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा है कि मैं राहुल गांधी की तरह किसी पर व्यक्तिगत हमले नहीं करता। मैं व्यक्ति की नहीं बल्कि नीतियों की आलोचना करता हूं।

उन्होंने कहा कि जब संसद में सात साल तक नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में था तो पीएम मोदी की नीतियों की जमकर आलोचना की, लेकिन अब उनका नाम भाजपा से जोड़ा जा रहा है। राहुल गांधी ने जी-23 बनने के बाद उन्हें भाजपा से जोड़ना शुरू कर दिया था। जब हमने पूर्णकालिक अध्यक्ष की मांग करते हुए पत्र लिखा, तो वे भड़क गए और झूठ फैलाया कि यह पत्र पीएम मोदी के इशारे पर लिखा गया था। यह झूठ कांग्रेस कार्य समिति और नेता से शुरू हुआ। गुलाम नबी को कोई हुक्म नहीं दे सकता। मेरे खिलाफ कोई मामला नहीं है।

भारत जोड़ो यात्रा से भाजपा के छूट रहे पसीने!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा से भाजपा जिस तरह से नाराज है वह उसके नेताओं के बयानों में झलक रहा है। एक जलते हुए नेकर ने पूरी भाजपा को गुस्से से भर दिया है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, अशोक वानखेड़े, अनिल सिन्हा, राजनीतिक विश्लेषक नीरज झा और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

नीरज झा ने कहा कि कांग्रेस कह रही है कि भाजपा ने देश को तोड़ा है। विभाजन करने का काम किया है। भारत जोड़ो अपील बेहतर ही है। इससे भाजपा बौखलाई हुई है।

अनिल सिन्हा ने कहा कि निक्कर से पहले आरएसएस को लाना जरूरी है। राहुल ने बड़ी वैचारिक चुनौती बीजेपी के सामने रख दी यह यात्रा निकालकर। सतीश के सिंह ने कहा कि मुझे खुशी हो रही इस बात की कि देश का जो राजनीतिक विमर्श है वो विचारों पर आ गया या ला दिया गया है। इस यात्रा में कांग्रेस पूरी तैयारी से है। अशोक वानखेड़े ने कहा कि बीजेपी को लग रहा था कि सारा विपक्ष मर गया। अध्यक्ष ने तो यहां तक कह दिया था कि कांग्रेस रहित देश होगा। पर ये जो भारत जोड़ो यात्रा राहुल गांधी ने शुरू की वह समस्याओं की बात करता है, इस यात्रा में, जिससे देश ग्रस्त है। और लोगों को जब इस पर बात करने वाला मिल जाता है तो वो जननायक ही नेता बनता है। सारा देश जानता है बेरोजगारी है क्या? इसीलिए पदयात्रा में भीड़ बढ़ रही। आडवाणी जिस रथयात्रा में गए थे, वो सब चीजें थी लग्जरी रथ पर। मोदी जब जाते रैली में तो सब व्यवस्थाएं होती। संघ का भी खर्च होता पर बोलता कोई नहीं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

केडीए उपाध्यक्ष अरविंद सिंह पर भ्रष्टाचार के अनगिनत आरोप, फिर भी जांच नहीं!

चेतन गुप्ता

लखनऊ। भ्रष्टाचार पर जीरों टॉलरेंस की नीति अपनाने वाली योगी सरकार आखिरकार एक आरोपी आईएएस अफसर को क्यों बचा रहीं है। जिस पर खुद भाजपा के ही एक नेता ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री से लेकर शासन–प्रशासन में शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच करना तो दूर उलटा उस नेता को ही उस विभाग से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। योगीराज में एक दबंग आईएएस अफसर का पॉवर देखिए उसके कार्यकाल में हो रहे भ्रष्टाचार की शिकायत करने वाले नेताजी को अपने पद से हाथ धोना पड़ गया।

यहां बात हो रही है कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) के उपाध्यक्ष अरविंद सिंह की। आईएएस अरविंद सिंह का विवादों से पुराना नाता रहा है। ये जहां भी रहते वहां चर्चाओं में जरूर रहते हैं। खुद को सीएम का करीबी बताकर रौब गांठते हैं। अगस्त 2021 में केडीए के उपाध्यक्ष बने अरविंद सिंह के राज में हो रहे भ्रष्टाचार की शिकायत बोर्ड सदस्य राम लखन रावत को इस कदर भारी पड़ गई कि उन्हें अपना पद गंवाना पड़ गया। भाजपा अनसूचित मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रामलखन रावत केडीए बोर्ड के सदस्य भी थे। पिछले दिनों रावत ने 230 अवैध निर्माणों की मयफोटो सूची सौंपते हुए केडीए पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कार्रवाई की मांग की, जिससे वीसी से उनकी अनबन हो गई। बोर्ड सदस्य होने के नाते रामलखन समय समय पर भ्रष्टाचार को लेकर अपनी आवाज बुलंद करते रहे। रावत जब से बोर्ड सदस्य बने तब से वो अरविंद सिंह की आंखों की किरकिरी बने रहे। बताया जाता है कि शासन–सत्ता स्तर पर तगड़ी पैठ के चलते वीसी ने रावत को ही गलत साबित कर अपने अपमान का बदला ले लिया। रावत की केडीए बोर्ड से बर्खास्तगी की खबर मिलते ही अरविंद सिंह के विरोधी गुट में मायूसी छा गई क्योंकि केडीए में अफसरों का एक धड़ा उनको नापसंद करता है। कानपुर मंडलायुक्त राजशेखर बतौर केडीए अध्यक्ष वीसी के फैसलों में बहुत ज्यादा हस्ताक्षेप नहीं करते। वीसी के कामकाज के तरीकों से उनके वरिष्ठ अफसर भी खुश नहीं माने जाते है। लेकिन पॉलिटिकल कनेक्शन के बूते वीसी साहब कुर्सी पर अब तक जमे है। सपा विधायक अमिताभ बाजपेई ने तो केडीए के भ्रष्टाचार को लेकर विधानसभा तक में सवाल उठाया और पूछा कि शहर में कितने अवैध निर्माण चिन्हित किए गए है और उन पर क्या कार्रवाई हुई है। विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर उन्होंने केडीए अफसरों की आमजनता और पत्रकारों से अभद्रता की शिकायत तक की। भ्रष्टाचार की शिकायत पर वीसी मीडिया पर भी बिफरे रहते हैं। यहां तक कि कमिश्नर के निरीक्षण के दौरान मीडियाकर्मियों को दलाल कह संबोधित कहने का वीडियो वायरल भी हुआ। शिकायत करने पर कमिश्नर ने कहा कि औचक निरीक्षण के दौरान वीडियोग्राफी गलत है। इससे पत्रकार संगठनों में रोष है।

शिकायत करने वाले भाजपा नेता राम लखन रावत केडीए बोर्ड से बर्खास्त अनसूचित मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हैं रावत

4PM एक्सक्लूसिव

» आईएएस अफसर के रवैए से दुखी हैं माननीय फरियादी और पत्रकार

कहीं कागजी कार्रवाई तो कहीं बुलडोजर!

केडीए वीसी ने जब से कार्यभार संभाला है, शहर में हड़कंप मचा हुआ है। अवैध निर्माणों की तो जैसे आफत आ गई हो लेकिन इसमें भी खेल खुलकर कुछ ही समय में सामने आ गया। शहरी क्षेत्र में होने वाले अवैध निर्माणों को अवैध वसूली के बदले अभयदान और शहर के बाहरी क्षेत्रों में होने वाली प्लाटिंग को निशाना बनाया गया। सत्ता या फिर पैसों के रसूख वाले अवैध निर्माणों पर कागजी कार्रवाई तो की गई लेकिन वास्तविकता में उनको खुली छूट दी गई है, यहां तक कि ध्वस्तीकरण के आदेश तक फाइलों में दफन हो गए। इसका उदाहरण कैबिनेट मंत्री राकेश सचान के किदवई नगर स्थित आवास वाले रोड पर सुधा श्री अवैध इमारत व श्री लगन साड़ीज वाली अवैध बिल्डिंग है।

चीफ इंजीनियर-बोर्ड मेम्बर निपटे, अब 'सचिव' की बारी!

रामलखन रावत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का खुद को करीबी बताने वाले अरविंद सिंह की शासन-सत्ता में हनक का अंदाजा यहीं से लगा सकते है कि पूर्व में चीफ इंजीनियर चक्रेश जैन ने वीसी की सनकमिजाजी और गलत कार्यों का खुलकर विरोध किया था। पीएम आवास योजना के टेंडर में जैन रोड़ा बन गए तो वीसी ने शासन में उनकी शिकायत कर उनको हटवा दिया। टेंडर पुलिंग का काम तत्कालीन अधिशाषी अभियंता आशु मिततल द्वारा किया गया था। इसी तरह 17 अगस्त को आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग-10 उत्तर प्रदेश शासन की अधिसूचना के द्वारा केडीए बोर्ड के गैर सरकारी सदस्य के रूप में राम लखन रावत की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया था। रामलखन को केडीए कार्मिक अनुभाग की ओर से 18 अगस्त को सदस्यता समाप्ति का पत्र जारी हुआ। सचिव शत्रोहन वैश्य के हस्ताक्षर से जारी इस पत्र के वायरल होते ही केडीए में हड़कंप मच गया। वीसी ने रामलखन को उनके पद से हटवाकर एक बार फिर अपना पॉवर दिखाया। सचिव शत्रोहन वैश्य से भी उनकी अनबन की खबरें केडीए के गलियारों से बाहर आ रही है। सूत्रों की माने तो पिछले दिनों वीसी ने एक जेई को अपने केबिन में बुलाकर एक कथित अवैध निर्माण के लिए सचिव पर आरोप लगाते हुए रिपोर्ट में जिक्र करने का दबाव डाला लेकिन जेई ने ऐसा करने से साफ मना कर दिया। उसने दो टूक कह दिया कि साहब हटाना हो तो हटा दीजिए लेकिन ऐसा नहीं कर पाउंगा। वीसी साहब मन मसोसकर रह गए। सूत्रों की माने तो सचिव की कार्यप्रणाली से पूरा केडीए स्टॉफ खुश रहता है। वीसी ने तो उनको भी साइड लाइन कर अपने हिसाब से सभी अफसरों को कार्यभार सौंप रखा है।

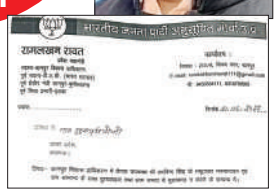

केडीए कार्यालय में उपाध्यक्ष अरविंद सिंह के केबिन के ठीक बाहर विरोध स्वरूप धरने पर बैठे पत्रकार। (फाइल फोटो)

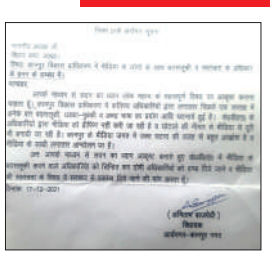

पंगेबाजी के लिए जाने जाते हैं वीसी साहब

अरविंद सिंह के किस्से कहानियां यही तक नहीं खत्म होते, वो आदतन मजबूर है पंगेबाजी के लिए। चाहे वो सत्ता पक्ष का जनप्रतिनिधि हो या फिर विपक्ष का। अपने से छोटे अफसरों को तो वो दबाकर रखते है लेकिन अपने से बड़े अफसरों तक अपने उपर हावी नहीं होने देते। क्या मजाल साहब की मर्जी के बिना शहर में कोई अवैध निर्माण हो जाए। बिठूर में प्राधिकरण के सबसे बड़े साहब की सिफारिश के बाजवूद वीसी साहब के निर्देश पर उनके कारखास ने उद्योगपति के निर्माण को सीलकर उनको भी अंदरखाने से चुनौती दे दी। लेकिन चाहकर भी बड़े साहब कुछ नहीं कर पाए। कानपुर के पूर्व में रहे मंत्री और कई विधायकों तक के सिफारिशी निर्माणों पर वीसी ने कैंची चला दी जबकि सैकड़ों ऐसे अवैध निर्माण है जिन पर तत्परता से कार्रवाई नहीं हुई। इसी साल फरवरी में लखनऊ कानपुर हाइवे पर एक अंजान शख्स के साथ फोटो का प्रकरण केडीए में चर्चा का विषय बना रहा। कहा जाता है कि डीलिंग के लिए 'साहब' वहां मिलने गए थे, जहां से बड़ा पैकेट मिला। उन्हीं के स्टॉफ के लोगों में से किसी ने फोटो खींचकर चुगली कर दी, तब से 'साहब' अपने स्टॉफ पर भी भरोसा नहीं करते।

आईएएस अरविंद सिंह पर आरोपों की लंबी है फेहरिस्त

21 जून को भाजपा नेता व तत्कालीन केडीए बोर्ड मेंबर रामलखन रावत ने उपाध्यक्ष अरविंद सिंह पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शिकायती पत्र लिखा। आरोपों की जांच मंडलायुक्त, एसआईटी अथवा किसी अन्य अधिकारी या जांच एजेंसी से निष्पक्ष कराने की मांग की गई। मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय, अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग, प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन, प्रमुख सचिव सतर्कता, आयुक्त कानपुर मंडल, जिलाधिकारी कानपुर नगर, सचिव कानपुर विकास प्राधिकरण, वित्त नियंत्रक कानपुर विकास प्राधिकरण को इसकी प्रति भी भेजी गई थी। लेकिन आज तक इतने गंभीर आरोप होने के बावजूद भी शासन स्तर पर कोई जांच नहीं बैठी।

- केडीए के जवाहरपुरम में पीएम आवास योजना के अंतर्गत लगभग 400 करोड़ के विकास कार्यों के टेंडर करोड़ों रुपए की रिश्वत लेकर खुलेआम नियमों के विरुद्ध जाकर अपने पसंद के लोगों को दिए गए। पूर्व चीफ इंजीनियर चक्रेश जैन भ्रष्टाचार में शामिल नहीं हुए तो उनका ट्रांसफर करा दिया और अपनी पसंद के इंजीनियर को निविदा कमेटी में शामिल कर केडीए वीसी ने टेंडर स्वीकृत करा दिए।
- केडीए द्वारा नवाबगंज चिड़ियाघर के पास सिग्नेचर ग्रीन्स के नाम से बहुमंजिला आवासीय योजना के अंतर्गत 12 सौ से अधिक फ्लैटों का निर्माण किया गया है, जिसकी निर्माण लागत 400 करोड़ से अधिक है। उक्त फ्लैटों के निर्माण में अनेक कमियां हैं तथा कार्य पूर्ण नहीं है लेकिन उपाध्यक्ष ने ठेकेदार से करोड़ों की रिश्वत लेकर पूर्णता प्रमाण पत्र निर्गत कर दिया, जिस कारण से अब ठेकेदार का वैधानिक दायित्व खत्म हो गया है। इससे नाराज आवंटियों ने 7 जून को केडीए में हंगामा किया। आरोप लगाया कि कि बिजली, ट्रांसफॉर्मर कनेक्शन देने का काम अधूरा है और अन्य कमियां भी हैं।
- फ्लैशर- एस्कॉर्ट का दुरुपयोग व फर्जीवाड़े का भी उपाध्यक्ष पर आरोप है। भूतपूर्व सैनिक कल्याण निगम से करीब 50 पूर्व सैनिकों की सुरक्षा के लिहाज से केडीए में ड्यूटी लगाई गई है जिनमें ज्यादातर का उपयोग उपाध्यक्ष कमांडो के रूप में निजी तौर पर अपने सरकारी बंगले और कार्यालय पर करते हैं। साथ ही सरकारी वाहन पर अवैध ढंग से फ्लैशर व हूटर लगवाकर एस्कॉर्ट लेकर साथ चलते हैं जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग होता है जबकि सरकारी स्तर पर उनको एस्कॉर्ट की सुविधा उपलब्ध नहीं है। उपाध्यक्ष की सनकमिजाजी यहां तक है कि कई बार सरकारी ड्राइवर को छोड़कर गोपनीयता बनाए रखने का हवाला देकर पूर्व सैनिकों से अपना सरकारी वाहन तक चलवाते हैं।

- केडीए उपाध्यक्ष अपने सरकारी आवास के बिजली बिल का भुगतान स्वयं नहीं करते। उनके घर पर कोई कैंप कार्यालय नहीं है। मात्र एक छोटे से कमरे में कुछ कुर्सियां व मेज है जिसका उपयोग उपाध्यक्ष द्वारा अपने विश्वसनीयअधिकारियों को निजी स्वार्थ से बुलाकर बैठकों के लिए किया जाता है। आम जनता का कोई भी कामकाज यहां से नहीं निपटाया जाता और न ही बंगले में चल रहे कथित कैंप कार्यालय में प्रवेश की किसी को अनुमति है
- केडीए उपाध्यक्ष अरविंद सिंह पर गलत तरीके से अपने सरकारी आवास पर रिनोवेशन के नाम पर एक करोड़ रुपए खर्च करने और इस काम में मोटा कमीशन लेने का आरोप है। नियमों के विपरीत जाकर उपाध्यक्ष द्वारा केयरटेकर अनुभाग के 50 लाख तक के कार्यों के अधिकार को सचिव को प्रदान कर दिया गया। इनके निवास में एक कमरे में छत की मरम्मत कार्बन सरफेसिंग के नाम पर 28 लाख रूपए का भुगतान किया जा रहा है।
- मोतीझील मेट्रो स्टेशन से सटा हुआ एक भूखंड संख्या 112/325 जिस पर अवैध व्यवसायिक निर्माण हो रहा है। उक्त अवैध निर्माण को केडीए ने सील कराया था। वर्तमान उपाध्यक्ष अरविंद सिंह के द्वारा भारी रकम लेकर उक्त निर्माण की सील शमन कर खुलवा दी गई जबकि उक्त अवैध निर्माण से बिल्कुल सटे मेट्रो के पिलर बने हुए हैं। एक फुट का भी सेटबैक नहीं है जिसका संज्ञान नहीं लिया गया। सेटबैक का आशय खुला क्षेत्रफल है। मुख्य मार्ग पर होने के बावजूद निर्माण में कोई भी पार्किंग नहीं है। केडीए कार्यालय से महज सौ कदम की दूरी पर यह अवैध निर्माण हुआ है, जहां से रोज केडीए उपाध्यक्ष गुजरते हैं और हकीकत जानते हुए भी ध्वस्तीकरण की बजाय इसकी सील खोलने के आदेश कर दिए।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा समस्त अधिकारीगणों को सुबह 10 से 12 बजे तक जनता से मुलाकात करने के लिए समय नियत किया गया है लेकिन उपाध्यक्ष बिना छुट्टी लिए अनेकों दिन तक कार्यालय नहीं आते हैं। विगत 10 जून से 20 जून तक उपाध्यक्ष बिना अवकाश लिए कार्यालय नहीं आए। उपाध्यक्ष अपने अब तक के कार्यकाल में गिने चुने दिन ही सुबह 10 से 12 के बीच चुनिंदा लोगों से मिले। प्राधिकरण में आने वाले पीड़ितों, आम जनता व पत्रकारों से अभद्र व्यवहार करते हैं। कार्यालय में उनके आने के समय की पुष्टि सीसीटीवी कैमरे से की जा सकती है। आम जनता शिकायतें लेकर आती है तो उनको कनिष्ठ अधिकारियों से मिलने पर मजबूर किया जाता है और इसी आड़ में अपना दामन बचाते हुए उपाध्यक्ष द्वारा भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जाता है जिससे कि उन पर सीधे तौर पर कोई आरोप ना लगे। कनिष्ठ अधिकारी हर काम के लिए पैसे की डिमांड करते हैं।
- केडीए उपाध्यक्ष पर आरोप है कि वो ओएसडी अवनीश कुमार सिंह के माध्यम से अवैध वसूली कराते हैं। दोनों लोग गोरखपुर जनपद के आसपास के मूल निवासी हैं और दूर के रिश्तेदार हैं। अवनीश कुमार सिंह को सबसे अधिक व महत्वपूर्ण प्रभार दे दिए गए हैं। जबकि उनसे वरिष्ठ अधिकारियों को महत्वहीन प्रभार दिए गए। प्राधिकरण के इतिहास में आज तक कभी भी एक अधिकारी को इतने अधिक महत्वपूर्ण प्रभार नहीं दिए गए। अवनीश कुमार सिंह 2020 में प्रोन्नत होकर एसडीएम बने जबकि विशेष कार्य अधिकारी भैरव पाल सिंह 2003 में एसडीएम प्रोन्नत हो गए थे।
- उपाध्यक्ष द्वारा जोन 1 में सर्राफा व्यवसाई व बिल्डर महेश जैन का नियम विरुद्ध नामांतरण कराया गया है जिसकी भूमि लगभग 10 हज़ार वर्ग मीटर है। विशेष कार्य अधिकारी भैरव पाल सिंह जब विक्रय जोन-1 के प्रभारी थे उन्होंने नियम विरुद्ध कार्रवाई करने से इंकार कर दिया था तो इनका प्रभार हटाकर ओएसडी अवनीश कुमार सिंह को प्रभार दिया गया और उपाध्यक्ष के अन्य करीबी अधिकारी अपर सचिव व ओएसडी सत शुक्ला के द्वारा गैरकानूनी कार्य किया गया।
- केडीए उपाध्यक्ष का एक पूरा सिंडीकेट है जिसमें ओएसडी अवनीश कुमार सिंह उनके कारखास माने जाते हैं। साथ में ओएसडी शत शुक्ला, चीफ इंजीनियर रोहित खन्ना समेत तमाम ऐसे अधिकारी हैं जो उनके इशारों पर काम करते हैं और हर माह करोड़ों रुपए की अवैध वसूली कर इन्हें भेंट चढ़ाते है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।